प्रेस विज्ञप्ति

27 नवंबर, 2010

20वें न्यूक्लियर विद्युत रिएक्टर का प्रचालन प्रारंभ होने के साथ ही भारत विश्व के शीर्षक्रम के 6ठे पायदान पर ।

आज देश के 20वें न्यूक्लियर विद्युत रिएक्टर कैगा विद्युत उत्पादन केंद्र (केजीएस) की इकाई-4 ने अपनी पहली क्रांतिकता प्राप्त कर ली। न्यूक्लियर शब्दावली में क्रांतिकता से तात्पर्य रिएक्टर कोर में स्व-वहनीय न्यूक्लियर विखंडन श्रृंखला अभिक्रिया का प्रारंभ है जिससे अतंत: विद्युत उत्पादन होता है। इस इकाई को कुछ अनिवार्य परीक्षणों के उपरांत अगले माह दक्षिणी ग्रिड के साथ सिंक्रोनाइज्ड कर दिया जाएगा।

न्यूक्लियर पॉवर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की इकाई कैगा-4 के प्रचालनरत होने के साथ ही वर्तमान समय में बीस या अधिक प्रचालनरत न्यूक्लियर विद्युत रिएक्टरों वाले विशिष्ट देशों के शीर्षक्रम में अमेरिका, फ्रांस, जापान, रूसी फेडरेशन व कोरिया गणराज्य के बाद भारत छठे पायदान पर पंहुच गया है।

इस इकाई से उत्पादित विद्युत को लाभार्थी राज्यों- कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश व पुड्डुचेरी को आपूर्त किया जाएगा।

रापबिघ इकाई-5 व इकाई-6 के पश्चात कैगा-4 तीसरा न्यूक्लियर विद्युत रिएक्टर है जिसने इस वर्ष प्रचालन प्रारंभ किया है और अब देश की संस्थापित न्यूक्लियर विद्युत क्षमता 4560 मेगावाट से बढ़कर 4780 मेगावाट हो गई है।

अपने पूर्ववर्तियों- प्रचालनरत केजीएस-1, 2, व 3 की भांति केजीएस-4 भी 220 मेगावाट विद्युत क्षमता वाला एक स्वदेशी दाबित भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) है और इसमें घरेलू खदानों से प्राप्त यूरेनियम ईंधन का उपयोग किया जाता है।

वर्तमान में कुडनकुलम में प्रत्येक 1000 मेगावाट क्षमता वाले दो साधारण जल रिएक्टरों (एलडब्ल्यूआर) तथा साथ ही कलपक्कम में 500 मेगावाट क्षमता वाला प्रारूपिक द्रुत प्रजनक रिएक्टर (पीएफबीआर) पूर्णता के अग्रिम चरण में है। इसके अलावा इस वर्ष गुजरात के काकरापार व राजस्थान के रावतभाटा में प्रत्येक स्थान पर दो दाबित भारी पानी रिएक्टरों सहित 700 मेगावाट क्षमता वाले चार स्वदेश अभिकल्पित दाबित भारी पानी रिएक्टरों का निर्माण कार्य भी प्रारंभ किया जा चुका है। निर्माणाधीन रिएक्टरों की क्रमिक पूर्णता के साथ वर्ष 2012 तक संस्थापित न्यूक्लियर विद्युत क्षमता 7280 मेगावाट व वर्ष 2017 तक 10080 मेगावाट हो जाएगी। एनपीसीआईएल ने वर्ष 2020 तक अपनी क्षमता 20000 मेगावाट या अधिक तक पंहुचाने और 700 मेगावाट क्षमता वाले स्वदेश अभिकल्पित दाभापारिएक्टरों एवं 1000 मेगावाट या अधिक क्षमता वाले साधारण जल रिएक्टरों (एलडब्ल्यूआर) की स्थापना के माध्यम से वर्ष 2032 तक देश की संस्थापित न्यूक्लियर विद्युत क्षमता को 63000 मेगावाट तक पंहुचाने में महत्वपूर्ण भागीदारी की परिकल्पना की है।

एनपीसीआईएल ने अंतर्देशीय स्थलों हरियाणा, मध्यप्रदेश में स्वदेशी 700-मेगावाट दाभापारिएक्टरों व तीन समुद्रतटीय स्थलों गुजरात, आंध्र प्रदेश व पश्चिमी बंगाल में अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सहयोग के आधार पर 1000-मेगावाट या उससे अधिक क्षमता वाले साधारण जल रिएक्टरों की स्थापना के लिए परियोजना-पूर्व कार्यकलाप प्रारंभ कर दिए हैं।

एनपीसीआईएल न्यूक्लियर विद्युत संयंत्रों के विभिन्न पहलुओं जैसे स्थल चयन, अभिकल्पन, निर्माण, कमीशनिंग, प्रचालन व अनुरक्षण, नवीकरण व आधुनिकीकरण तथा आयु-सीमा विस्तार में समग्र क्षमता प्राप्त एकमात्र संगठन है।